प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

1. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड।
2. निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण उत्तराखण्ड।
4. सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर, नैनीताल।
5. अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड।
6. अपर निदेशक (प्रा.शि./मा.शि.), गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
7. अपर निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी./सीमैट।
8. समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, (प्रा.शि./मा.शि.), उत्तराखण्ड।
10. समस्त खण्ड/उप शिक्षा अधिकारी उत्तराखण्ड। **(द्वारा मु0शि0अ0)**

पत्रांक/विविध/ 1744 /संदेश/2021–22 दिनांक 12 अगस्त, 2021

विषय :– **75वें स्वाधीनता दिवस के शुभ अवसर पर महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड का संदेश प्रेषण विषयक।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक 75वें स्वाधीनता दिवस के शुभ अवसर पर महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड का विद्यालयी शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारियों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मियों व विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को सम्बोधित संदेश, पत्र के साथ संलग्न किया जा रहा है।

अतः मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि उक्त संदेश को अपने अधीनस्थ समस्त कार्यालयों व विद्यालयों को स्वाधीनता दिवस से पूर्व अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें ताकि स्वाधीनता दिवस (दिनांक 15 अगस्त) के शुभ अवसर पर महानिदेशक महोदय के संदेश का विद्यालयी शिक्षा विभाग के समस्त कार्यालयों व शिक्षण संस्थाओं में वाचन किया जा सके।

संलग्न– संदेश

भवदीय,

(लीलाधर ब्यास)
संयुक्त निदेशक
महानिदेशालय 12/8/2021
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

बंशीधर तिवारी

उत्तराखण्ड सरकार

महानिदेशक,
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, तपोवन मार्ग, देहरादून
☎: 0135 2780483, Fax 0135 2780140
e-mail: dgeduuk@gmail.com

दिनांक 12-8-2021

पत्रांक 1743

स्वाधीनता दिवस सन्देश

विद्यालयी शिक्षा परिवार के समस्त छात्र–छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों, शैक्षिक अभिकर्मियों, शिक्षाधिकारियों को 75वें स्वाधीनता दिवस की शुभ–कामनाएं।

स्वतन्त्रता दिवस के इस पुनीत अवसर पर मेरा अनुरोध है कि छात्रों को भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन, देशभक्तों की गाथाओं, शहीदों के बलिदान तथा सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराते हुए राष्ट्र के गौरवशाली अतीत से भी उन्हें आत्मसात कराएं।

शिक्षा का उद्देश्य छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है। आप सभी भिज्ञ हैं कि छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास में विद्यालय की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। छात्रों का इस प्रकार विकास किया जाए, जिससे वह शिक्षा द्वारा अपने जीवन में उन्नति करें तथा समाज एवं राष्ट्र के लिए एक उपयोगी नागरिक बन सकें। शिक्षा में गुणात्मक सुधार हम सभी का सम्मिलित उत्तरदायित्व है। इसके लिए हमें अभिभावकों एवं समुदाय का सहयोग भी प्राप्त करना होगा ताकि प्रत्येक छात्र की शैक्षिक अभिवृद्धि सुनिश्चित की जा सके। समुदाय की सहभागिता से शिक्षण संस्थाओं में शिक्षण अधिगम हेतु अनुकूल वातावरण तैयार किया जा सकता है।

वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण अभी तक प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं में शैक्षिक गतिविधियां व्यवधानित हुई हैं, जिससे छात्रों में अधिगम ह्रास (Learning loss) होना स्वाभाविक है। तथापि विद्यालयों को भौतिक रूप से पुनः संचालित किए जाने का निर्णय बच्चों के अधिगम स्तर में सुधार तथा सीखने के अवरोधों को दूर करने के दृष्टिगत लिया गया है।

कोविड–19 के संक्रमण के कारण जितनी समयावधि तक शिक्षण संस्थाओं का संचालन बाधित रहा है और इस व्यवधान के कारण छात्रों का जो अधिगम ह्रास (Learning loss) हुआ है उसको कम करने के लिए हम सभी का यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि कम समयावधि में भी छात्रों को अधिकाधिक शैक्षिक अनुसमर्थन प्राप्त हो सके। इस हेतु कक्षाओं का हाईब्रिड संचालन (ऑनलाइन/ऑफलाइन) एवं वर्क शीट की सुविधा निरंतर उपलब्ध होती रहे। विद्यालयों के संचालन हेतु मानक प्रचालन प्रक्रिया (SOP) निर्गत की गई है। सुरक्षा के दृष्टिगत उसका अक्षरशः अनुपालन आवश्यक है। सामाजिक दूरी, मास्क का प्रयोग, बार–बार हैण्ड सैनिटाइज करना, नियमित अंतराल पर हाथों को धोना तथा थर्मल स्कैनिंग आदि का अनुपालन आवश्यक है। कोविड–19 का फैलाव तथा उससे बचाव के उपायों से समस्त विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को जागरूक किया जाय।

स्वाधीनता दिवस के अवसर पर सभी को राष्ट्रगान गाना अनिवार्य है। स्वाधीनता दिवस के पावन पर्व को हम सभी **"आजादी का अमृत महोत्सव"** के रूप में मना रहे हैं।

आइए हम सब इस पुनीत अवसर पर अपने–अपने दायित्वों का भलीभांति निर्वहन के प्रति कृतसंकल्पित हों।

जय हिन्द, जय भारत।

12-8-21

(बंशीधर तिवारी)
महानिदेशक